पहेलियाँ

१

नीचे पटको, ऊपर जाती,
ऊपर फेंको, नीचे आती,
उछल-कूद है सदा मचाती,
हमको कितने खेल खिलाती ।

२

धनुष मैं कहलाऊँ
पर तीर न चलाऊँ,
पहने सतरंगी कपड़े,
दूर गगन में इठलाऊँ ।

३

खट्टा-मीठा रस वाला हूँ,
दिखता हूँ मैं गोल ।
पीला-पीला छिलका मेरा,
चीज़ हूँ इक अनमोल ।

४

लाल तवा, सोने से गढ़ा
पूरब से निकला, पश्चिम में ढला ।

उत्तर :
१. गेंद, २. इंन्द्रधनुष
३. संतरा, ४. सूरज